पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार❁ 'बीसलदेव रासो' में काव्य अर्थ में कौन-सा शब्द बार-बार आया है❁ जिससे उन्होंने 'रासो' शब्द की उत्पत्ति मानी ?
2. 'कवि शेखर' की उपाधि किस कवि को मिली ?
3. कबी दास जी ने आत्मा को किसका अंश माना ?
4. जायसी ने अपनी जन्मतिथि का संकेत अपने किस ग्रंथ में किया है ?
5. तुलसीदास जी के गुरु का नाम लिखिए।
6. 'सूरसागर' की रचना का मूल आधार ग्रंथ का नाम लिखिए।
7. मीरा का जन्म मेड़ता के समीप किस गाँव में हुआ ?
8. रीतिकालीन कवि बिहारी का जन्म वर्तमान मध्य प्रदेश के किस शहर में हुआ ?

खण्ड—ब

9. पृथ्वीराज रासो की कोई **दो** ऐतिहासिक संबंधी अशुद्धियाँ लिखिए।
10. रीतिसिद्ध काव्य किसे कहते हैं ?
11. विद्यापति का संक्षिप्त जीवन-परिचय लिखिए।
12. मलिक मुहम्मद जायसी की किन्हीं **पाँच** रचनाओं के नाम लिखिए।
13. 'अष्टछाप' के के कवियों के नाम लिखिए।
14. रीतिकालीन कवि 'भूषण' का परिचय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. कबीरदास जी का जीवन–परिचय लिखिए।
16. सूरदास के काव्य में वात्सल्य को स्पष्ट कीजिए।
17. घनानन्द के काव्य में वियोग-भावना पर प्रकाश डालिए।
18. तुलसीदास जी का जीवन-परिचय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
    खेती न किसान को भिखारी को न भीख भली,
    वनिक को बनिज नचाकर को चाकरी।
    जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस❁
    कहे एक एकन सौं कहाँ जाइ का करी⌋
20. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
    उधो ! इतनी कहियो जाय।
    अति कृस गात भई है तुम बिनु बहुत दुखारी गाय।
    जल समूह बरसत अँखियन तें❁ हूँकति लीन्हें नाँव।
    जहाँ जहाँ गोदोहन कीन्हें ढूंढति सोई सोई ठाँव⌋
21. विद्यापति के काव्य में श्रृंगार-वर्णन कीजिए।
22. पद्माकर के काव्य का अभिव्यंजना-पक्ष लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. कबीर के काव्य के अभिव्यंजना-पक्ष पर प्रकाश डालिए।
24. बिहारी की भक्ति-भावना का सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2023—24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2023—24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'भारत-भारती' एवं 'साकेत' के रचयिता कौन हैं ?
2. 'लहर' किसकी कृति है ?
3. 'यात्री' उपनाम से कौन-से कवि रचनाएँ करते थे ?
4. 'असाध्य वीणा' आधुनिक युग के किस वाद की कविता है ?
5. 'साये में धूप' किसकी कृति है ?
6. 'रश्मिरथी' किसकी रचना है ?
7. प्रगतिवाद की कालसीमा क्या है ?
8. राष्ट्रीय चेतना के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

खण्ड—ब

9. मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृतियों के नाम लिखिए।
10. 'निराला के काव्य में ओज का प्रदर्शन हुआ है।' स्पष्ट कीजिए।
11. नागार्जुन की प्रगतिवादी चेतना को संक्षेप में समझाइए।
12. दुष्यंत की गज़लों में आम आदमी का दर्द किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ?
13. महादेवी के काव्य की मूल संवेदना बताइए।
14. नरेन्द्र शर्मा के काव्य की अनुभूति पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. सुमित्रानंदन पन्त की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।
16. हरिवंशराय बच्चन के काव्य की अभिव्यंजना का विवेचन कीजिए।
17. 'असाध्य वीणा' के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।
18. दिनकर की कविता में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना को रेखांकित कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. जयशंकर प्रसाद की काव्य संवेदना को उद्घाटित कीजिए।
20. 'कुरुक्षेत्र' के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।
21. 'बादल को घिरते देखा है।' कविता की समीक्षा कीजिए।
22. पंतकाव्य में अभिव्यक्त मानवतावादी चेतना की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. महोदेवी वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त स्वाभिमान की अभिव्यक्ति की विवेचना कीजिए।
24. रघुवीर सहाय की कविताओं की मूल संवेदना उदाहरण सहित समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखने वाला पहला फ्रांसीसी विद्वान कौन था ?
2. चंदबरदाई किस शासक के दरबारी कवि थे ?
3. 'कीर्तिलता' किस रचनाकार की रचना है ?
4. आचार्य शुक्ल का 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' किस वर्ष प्रकाशित हुआ था ?
5. आदिकाल को और किस नाम से जाना जाता है ?
6. "जहि मन पवन न संचरइ रवि ससि नाहि प्रवेश।
   तेहि बट चित्त बिसाम करु❁ सरेहे कहिअ उवेस⌋"
   उक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं ?
7. पहेली और मुकरियों के लिए प्रसिद्ध कवि कौन हैं ?
8. 'द्विवेदी युग' का नाम किस साहित्यकार के नाम पर रखा गया है ?

खण्ड—ब

9. 'रासो ग्रंथ' का परिचय दीजिए।
10. आदिकाल के किसी **एक** कवि का परिचय दीजिए।
11. निर्गुण काव्य की विशेषताएँ लिखिए।
12. रामभक्ति काव्य के किसी **एक** कवि का परिचय लिखिए।
13. छायावाद की प्रमुख **पाँच** विशेषताएँ लिखिए।
14. प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. आदिकाल के नामकरण पर अपने विचार लिखिए।
16. सूफी साहित्य का परिचय दीजिए।
17. रीतिकालीन काव्यधाराओं का परिचय दीजिए।
18. भारतेन्दु युग की साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'जायसी' की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।
20. भक्तिकालीन कविता का मूल स्वर स्पष्ट कीजिए।
21. रीतिकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
22. हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. छायावादी कविता में राष्ट्रीयता के स्वर पर प्रकाश डालिए।
24. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन में नामकरण की समस्या पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. भामह द्वारा प्रदत्त काव्यलक्षण बताइए।
2. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' किसने कहा है ?
3. नाट्यशास्त्र किसने लिखा है ?
4. औचित्य संप्रदाय के प्रवर्तक का नाम लिखिए।
5. निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत किसके द्वारा प्रतिपादित है ?
6. सार्त्र का संबंध किस सिद्धांत से है ?
7. 'रसमीमांसा' किसकी कृति है ?
8. हिंदी साहित्य में नामवर सिंह किस आलोचना धारा से संबंधित हैं ?

खण्ड—ब

9. मुक्त काव्य से क्या अभिप्राय है ?
10. भरत मुनि द्वारा प्रदत्त रस सिद्धांत क्या है ?
11. विरेचन सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।
12. भारतेंदु युगीन आलोचना पर टिप्पणी कीजिए।
13. 'प्रतिभा' क्या है ? काव्यशास्त्रीय रूप से समझाइए।
14. उपमा अलंकार को सोदाहरण समझाइए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. काव्य प्रयोजन क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
16. 'रीति' संप्रदाय पर प्रकाश डालिए।
17. फ्रायड के मनोविश्लेषण को अपने शब्दों में समझाइए।
18. स्वच्छंदतावादी आलोचना की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. काव्य की परिभाषा देते हुए विभिन्न विद्वानों द्वारा प्रदत्त लक्षणों को समझाइए।
20. रस की परिभाषा देते हुए इसके विभिन्न अवयवों पर प्रकाश डालिए।
21. अरस्तू के अनुकरण सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।
22. नई समीक्षा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।
24. हिन्दी आलोचना के विकासक्रम को समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**